# हिन्दी Hindi Class 11 Important Question Chapter 11 देव

**1. 'हँसी की चोट' में श्री कृष्ण से बिछुड़ने के बाद गोपियों में कौन – सा तत्त्व शेष रह गया था ?**

**उत्तर:** 'हँसी की चोट' में श्री कृष्ण से बिछुड़ने के बाद गोपियों में केवल आकाश तत्त्व शेष रह गया था |

**2. निम्न शब्दों का पर्यायवाची लिखिए |**

**घाट , गगन , कर्म**

**उत्तर:** घाट – तट , सेतुबंध , जलाशय

गगन – अम्बर , व्योम , आकाश

कर्म – काम , क्रिया , कार्य

**3. नायिका अपने सपने में क्या देखती है ?**

**उत्तर:** नायिका अपने सपने में देखती है कि श्याम उनके पास आकर कहते हैं कि चलो झूला झूलते है | यह सुनकर वह आनंद में मग्न होकर बहुत खुश हो जाती है |

**4. सपने में श्री कृष्ण को देखकर नायिका पर क्या असर हुआ ?**

**उत्तर:** सपने में श्री कृष्ण को देखकर नायिका को अत्यंत खुशी हुई और वह आनंद में मग्न होकर बहुत खुश हो गयी | श्री कृष्ण उनके सपने में आये इसलिए भी वह प्रसन्न थी |

**5. श्री कृष्ण की मुस्कान का और उनसे बिछुड़ने का गोपी पर क्या असर होता है ?**

**उत्तर:** श्री कृष्ण की एक मुस्कान से गोपी का मन मंत्रमुग्ध हो जाता है और उनसे बिछुड़ने पर गोपी के आंसू थमते नहीं है और वह बहुत दुखी हो जाती है |

**6. दरबार में किन बातों को नज़रअंदाज़ किया गया था ?**

**उत्तर:** दरबार में ज़िम्मेदारियाँ, फ़र्ज़ , गुणवत्ता और कला को नज़रअंदाज़ किया जा रहा था | आम जनता की आवाज़ दब रही थी | राजा और दरबारी अपना कर्त्तव्य भूलते जा रहे थे |

**7. " साहिब अंध " का क्या तात्पर्य है ?**

**उत्तर:** साहिब अंध का तात्पर्य है कि वर्तमान समाज में राजा और दरबारी अंधे हो चुके है क्योंकि वे अपनी ज़िम्मेदारी भूल गए थे एवं कला के प्रयासों को नज़रअंदाज़ करते थे |

**8. नायिका श्रीकृष्ण से कैसे जुदा हो जाती है?**

https://www.evidyarthi.in/

**उत्तर:** नायिका श्री कृष्ण को अपने सपने में देखती है | उन्हें देखकर वह बहुत खुश होती है | वह उनके पास जाना चाहती थी पर अभागी नींद खुल जाती है और श्री कृष्ण से जुड़ा हो जाती है |

**9. देव ने दरबारी और राजा से किस बात की नाराज़गी जताई ?**

**उत्तर:** देव ने दरबारी और राजा के नज़रअंदाज़ी व्यवहार पर नाराज़गी जताई है इलसिए उन्होंने राजा को अँधा , दरबारी को गूंगे और राजसभा को बहरा कहा है | राजा और दरबारी दोनों अपने कर्त्तव्य को भुलाकर रूप सौंदर्य में खो रहे है |

**10. देव में पुनरुक्ति अलंकार और अतिशयोक्ति अलंकार का एक – एक उदाहरण दीजिये |**

**उत्तर:** पुनरुक्ति अलंकार – झहरि – झहरि , घहरि – घहरि

अतिशयोक्ति अलंकार – वियोग से व्याकुल गोपी की दशा को दर्शाने के लिए अतिशयोक्ति अलंकार का प्रयोग हुआ है |

**11. दरबार में किस बात की कमी थी ?**

**उत्तर:** दरबार में गुणवत्ता और कला की कमी थी | राजा और दरबारी अपनी ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करके रूप सौंदर्य में खो रहे थे और लोग आलसी हो रहे थे |

**12. साहिब अंध , मसाहिब मूक , सभा बाहिरी | इस पंक्ति का भावार्थ लिखो |**

**उत्तर:** कवि ने वर्तमान समाज में दरबार की स्तिथि का वर्णन किया है | वह कहते है कि राजा अंधे हो चुके हैं , दरबारी गूंगे है तथा राजसभा बहरी बन चुकी है | लोग सुन्दर रंग – रूप में सब भूल रहे है | राजा अपने फ़र्ज़ , ज़िम्मेदारी सब भूल रहे है | सब रूप सौंदर्य में डूब कर अपने कर्तव्यों को अनदेखा कर रहे है |

**13. 'देव' पाठ में प्रयुक्त यमक अलंकार , अनुप्रास अलंकार , अतिशयोक्ति अलंकार और पुनरुक्ति अलंकार के उदाहरण दीजिये |**

**उत्तर:** देव' पाठ में प्रयुक्त यमक अलंकार , अनुप्रास अलंकार , अतिशयोक्ति अलंकार और पुनरुक्ति अलंकार के निम्नलिखित उदाहरण है –

(1) यमक अलंकार : 'हरि' को दो अलग रूप में लिखना |

(2) अनुप्रास अलंकार : 'घहरि – घहरि घटा घेरी में '

(3) अतिशयोक्ति अलंकार : झहरि – झहरि , घहरि – घहरि

(4) पुनरुक्ति अलंकार : वियोग से व्याकुल गोपी की दशा को दर्शाने के लिए अतिशयोक्ति अलंकार का प्रयोग हुआ है |

**14. 'सपना' कविता में संयोग और वियोग का चित्रण है | चर्चा करें |**

https://www.evidyarthi.in/

**उत्तर:** 'सपना' कविता में संयोग और वियोग का एक अच्छा चित्रण किया गया है | एक ही कविता में दोनों का संगम बहुत अनोखा व अनूठा है | सपने में श्री कृष्ण को देखती है | श्रीकृष्ण नायिका से झूला झूलने के लिए कहते है जिसे सुन नायिका आनंद में मग्न होकर बहुत खुश हो जाती है | जैसे ही वह उनके पास जाती है ,उसकी नींद खुल जाती है और सपना टूट जाता है | कृष्ण से बिछुड़ने से वह बहुत उदास हो जाती है | इस कविता में अनेक अलंकारों के प्रयोग से कविता और सुन्दर बन गयी है |

**15. सोए गए भाग मेरे जानि वा जगन में | इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट करो |**

**उत्तर:** जब नायिका ने अपने सपने में श्री कृष्ण को देखा तो वह बहुत प्रसन्न हुई |श्रीकृष्ण ने नायिका को झूला झूलने के लिए आमंत्रित किया था | लेकिन जैसे ही नायिका उनके पास जाने लगी , उसकी नींद टूट गयी और वह श्री कृष्ण से बिछुड़ गयी और इसी कारण बहुत उदास हो गयी |

**16. निम्नलिखित पद्यांशों की व्याख्या कीजिए – साँसनि ही ..... तनुता करि |**

**उत्तर:** कृष्ण के चले जाने पर गोपी कहती है कि जब से श्री कृष्ण ने मुंह फेरा है जबसे उसकी सांसों की वायु चली गई है अर्थात् कृष्णा के बिना नायिका की स्थिति खराब है |

उसके आंसू तुम नहीं रहे हैं | उसके शरीर का सारा पानी सूख रहा है |अर्थात् शक्ति को साथ लिए हुए तेज़ भी चला गया है | कमज़ोरी के कारण मात्र कंकाल रह गया है |

**17. निम्नलिखित पद्यांशों की व्याख्या कीजिए – साहिब अंध ..... बाच्यो |**

**उत्तर:** देव कहते है कि राजा अंधे हो चुके हैं , दरबारी गूंगे है तथा राजसभा बहरी बन चुकी है| लोग सुन्दर रंग – रूप में सब भूल रहे है| राजा अपने फ़र्ज़, ज़िम्मेदारी सब भूल रहे है | सब रूप सौंदर्य में डूब कर अपने कर्तव्यों को अनदेखा कर रहे है |आम जनता की आवाज़ दब रही है | सब पतित कार्य कर रहे हैं | दरबार में कोई गुणवत्ता नहीं है |

https://www.evidyarthi.in/